लक्ष्य

Live in belief

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

The Yearly Magazine 2017-18

KENDRIYA VIDYALAYA CMERI DURGAPUR

Editorial Board

Chief Patron :
SHRI SANTOSH KUMAR MALL, I.A.S.
Commissioner
Kendriya Vidyalaya Sangathan

Patron :
MS. P.B.S. USHA
Deputy Commissioner
KVS RO Kolkata

PROF. (DR.) HARISH HIRANI
Director, CSIR-CMERI
&
Chairman, VMC
KV CMERI, Durgapur

DR. RANJAN SEN
Chief Scientist CSIR-CMERI &
Nominee Chairman,
KV CMERI, DURGAPUR

Editorial Guardian :
SHRI HEERA LAL
Principal
KV CMERI, Durgapur

Chief Editor :
SHRI L. B. RAM, PGT Hindi
KV CMERI, Durgapur

Associate Editors :
SHRI JOYDEEP CHATTOPADHYAY, PGT English
SMT. J. SEN, TGT English
Dr. G. MODI, TGT Sanskrit
SHRI SUBRATA PAL , TGT ART Ed.
SMT K. MAJUMDAR SIRCAR, PRT

Cover Design :
ASTHA (XI-HUM)

Student Editors :
HARSHITA VERMA (XI-HUM)

सम्पादक की कलम से

शिक्षा प्रतीक है – स्वतंत्रता एवं विकास की। शिक्षा एवं नए ज्ञान के माध्यम से हीं एक नए मानव का, एक शिक्षित मानव का, एक स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर मानव का जन्म होता है। इसके साथ ही समाज लेता है – एक नई अँगड़ाई, एक नई दिशा, एक नया मोड़।

विद्यालय–पत्रिका किसी भी विद्यालय के समस्त क्रियाकलापों का सही प्रतिबिंब प्रस्तुत करने में सक्षम होती है जहाँ शिक्षक एवं छात्रों के अनवरत प्रयास, लगन, अध्यवसाय, बौद्धिक एवं मानसिक विकास के स्तर, जुझारूपन, कर्मठता इत्यादि का परिचय मिलता है। छात्रों के चहुँमुखी विकास हेतु शिक्षा–प्रणाली में समय–समय पर लाए जाने वाले परिवर्तन नितांत आवश्यक हैं जिन पर छात्रों के चरित्र एवं नैतिक मूल्यों का विकास आधारित है। देश में सर्वशिक्षा अभियान में सफलता पाकर ही देश की जड़ता व अंधकार को मिटाया जा सकता है।

नवांकुर रचनाकारों का रचनात्मक कौशल से सुसज्जित ये पत्रिका अवश्यमेव हमें आह्लादित करेगी तथा सुधार लाने का, प्रगति के पथ पर उन्मुख होने का प्रयास सदैव करती रहेगी।

जब देश के शिक्षाविद् समाज सेवी, राजनेता, छात्र, यह बीड़ा उठा ही लेंगे कि –

''किसमें जुर्रत है कि हमारी उड़ान को रोके
हम परों से नहीं, हौंसलों से उड़ते हैं।''

अन्ततः विद्यालय के प्राचार्य जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिनके सम्यक मार्गदर्शन, परामर्श, सुझाव, निर्देशन को पाकर ही यह पत्रिका अपना स्वरूप ले पाई है तथा शिक्षक–बंधूओं एवं छात्रों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनके संरक्षण में यह कार्य परिपूर्ण हुआ।

RIGHT TO INFORMATION

75 Years of CSIR Touching Lives

सी एस आई आर – केन्द्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान
महात्मा गान्धी एवेन्यु,दुर्गापुर-713209 (प.बंगाल) भारत
CSIR-Central Mechanical Engineering Research Institute
Mahatma Gandhi Avenue, Durgapur-713209 (W.B.) India
Ph. : 03432546749, 2546401, 6510701 (O), Fax : 0343-2546745
Mob. : 09910111579, e-mail : director@cmeri.res.in, hiran@mech.iitd.ac.in

CSIR-CMERI

प्रो. (डॉ.) हरीश हिरानी, निदेशक
Prof. (Dr.) Harish Hirani, Director

Message

Greetings from CSIR-CMERI!!

It gives me immense pleasure to know that Kendriya Vidyalaya, CMERI is taking out a school magazine for the session 2017-18.

School magazine acts as a mirror for the school!! It reflects the activities performed during the last one year and gives an idea of the expectation and aspiration of the institution in the near future.

While achievements get recognized, areas of future development can be identified and acted upon accordingly.

It recognizes individual excellence and gives a platform to the budding minds to showcase their talent.

I, on behalf of CSIR-CMERI, wish you all the success in this endeavor and also wish a very bright future to the students of Kendriya Vidyalaya!

Jai Hind!

(Harish Hirani)
Chairman, VMC
KV CMERI, Durgapur

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
कोलकाता संभाग / Kolkata Region
ई बी ब्लॉक, सेक्टर-१, सल्ट लेक
EB Block, Sector-1, Salt Lake,
कोलकाता /Kolkata-700064
(Under the Ministry of HRD, Govt. of India

P.B.S. USHA
DEPUTY COMMISSIONER

Message

It gives me immense pleasure to know that KV CMERI is publishing its Vidyalaya Patrika "LAKSHYA" for the session 2017-18. Very few realize the wealth of sympathy, kindness, generosity and talent hidden in a child. The effort of every educator is to unlock that treasure and KV CMERI, Durgapur is literally committed and focused to achieve that "LAKSHYA".

Life has only flashbacks, no rewinds. The endeavour of compiling all the exhilarating flashbacks in the form of achievements and laurels deserves to be applauded. The creativity exhibited by the tender but extremely thoughtful minds is indicative for the teachers to recognize the hidden ember in them and ignite it to its fullest.

I congratulate the Principal, mentors and the wonderful kids for their sincere effort in getting this gem of informative magazine published and glorifying the reputation of the Vidyalaya.

[P.B.S. USHA]
DEPUTY COMMISSIONER
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
KOLKATA REGION

Web Site : www.kvskolkata.org.in
E-mail ID : kvskolkata@yahoo.co.in
Phone : 033-23376998 / 23219490
Fax : 033-23379335

सी एस आई आर - केन्द्रीय यांत्रिक अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान
CSIR - CENTRAL MECHANICAL ENGINEERING RESEARCH INSTITUTE
(सी०एस०आई०आर० का एक संघटक संस्थापन, भारत सरकार)
महात्मा गाँधी एवेन्यू
दुर्गापुर - 713209, भारत
(A Constitutent Establishment of CSIR, Govt. of India)
Mahatma Gandhi Avenue
Durgapur - 713209, India
CSIR-CMERI

Message

DR. RANJAN SEN
CHIEF SCIENTIST, CSIR-CMERI

Dear Students & Teachers,

Warm Greetings to you all.

I am glad that under the leadership of Heera Lal, The Principal, the school is bringing our "Vidyalaya Patrika" during the festive season of the year when people all over the country resonate with the Autumn-ethos, admiring creativity, worshipping and celebrating. Vidyalaya Patrika offers a platform for showcasing the multifarious talents of the students and sweet memories of important events of the school through photos. Through this exposure the students develop skill of writing, drawing, painting which ultimately boost their confidence to become poets, writers, artists, reporters and so on. I wish the teachers will groom the students with strong and disciplined character who will have their own vision and burning desire to scale lofty heights of personal, social and spiritual attainments. I also want to make it a point that parents have equal responsibility on child's holistic performance and regular interaction / feedback between teacher and parents is a must for child's developments. I congratulate the students, teachers and the Principal for having taken pains to publish this Patrika and wish them all success in all their endeavours. May you all find the delights of life.

Yours Sincerely,
Ranjan Sen
(Ranjan Sen)
Chief Scientist, CSIR-CMERI &
Nominee Chairman, VMC

Message

It gives me sheer delight to know that Kendriya Vidyalaya CMERI, Durgapur is all set to get its Vidyalaya Patrika "Lakshya" for the session 2017-18.

The Vidyalaya Patrika is the best portal to showcase the year's happening and students' hidden potential in the forms of creative display. Tapping the hidden genius in them should be the first and foremost commitment of a great teacher.

The tender minds are well capable of creating wonders in their lives. All that is needed to be done, is channelizing their energy and creativity towards a constructive forum.

I am glad to know that KV CMERI, Durgapur, under the able guidance and support of its Principal & mentoring faculty is fast approaching on its way towards achieving its goal.

Congratulations to the Principal and his dedicated team for their excellent effort and wish them all the best!

सिंहरत बोस

Dr. S. Bose
Assistant Commissioner
Kendriya Vidyalaya Sangathan
Kolkata Region

प्राचार्य का संदेश

मेरे लिए यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हमारा विद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका 2017-18 ''लक्ष्य'' प्रकाशित कर रहा है। वार्षिक पत्रिका किसी भी विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है।

इस प्रतिस्पर्धा के दौर में यह अति आवश्यक है कि विद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी बल दिया जाये। इसी कड़ी में केन्द्रीय विद्यालय सी एम ई आर आई दुर्गापुर में भी पठन-पाठन के अलावा वर्ष पर्यंत अनेक गतिविधियाँ चलती रहती हैं। इस पत्रिका के माध्यम से आप पाठकगण अवगत हो सकेंगे कि विद्यालय में स्काउट-गाइड, खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभिन्न कौशलों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

इस प्रत्रिका में बच्चों ने स्वरचनाओं के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को एक नई उड़ान देने की कोशिश की है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ-साथ उन शिक्षकों एवं छात्रों को साधुवाद देता हूँ, जिनके अथक प्रयास से विद्यालय पत्रिका सुधी पाठकों तक पहुँच रही हैं।

हीरालाल
प्राचार्य
के०वि० सी० एम० ई० आर० आई०, दुर्गापुर

Annual Day Celebration

Annual Scout Camp

Annual Sports Day

Republic Day Celebration

Science Exhibition

Social Science Exhibition

Teacher's Day Celebration

Hindi Section

माँ

हर्षिता वर्मा

कक्षा – एकादश

माँ से सुंदर कोई नहीं होता,
उससे निश्छल शायद शिशु भी नहीं।
उसकी छोटी–सी बिंदिया, मांग में सिंदूर,
और चेहरे पर मातृत्व का निखार
उसे दुनिया की सबसे खूबसूरत
औरत बनाता है।
अपने कोमल हाथों से, जिसके मिट गए होते हैं
सारे निशां, मेरे गालों को सहलाती है,
तो लगता है सारी छाया, सारा सुख मुझे
मिल गयी। कोई भी वृक्ष ऐसी छाया न पाता
होगा कभी, जो 'माँ' देती है।
बच्चों से रूठ कर जब बच्चों–सा झुँझलाती है
तो लगता है, कितनी प्यारी होगी वह बचपन में।
लेकिन वह बचपन भुला कर चली
आती है सब छोड़ किसी परदेस में
और लग जाती है सबकी इच्छाएँ पूरी करने में।
पर जब उस 'माँ' का जन्म होता है
तब उसकी एक इच्छा पूरी होती है, शायद।
लेकिन इच्छा के रूप में जब एक परी
आती है तो चिंतित भी हो जाती है, शायद।
लेकिन काली छायाओं से बचाकर
अपनी नन्ही परी को वह बड़ा करती है
लेकिन वह परी अभी इतनी भी बड़ी न हुई है
कि अपनी माँ को वह बड़ा कर सके।
लेकिन इतनी बड़ी हुई है जो

बताओ तो जाने!

सुप्रिया कुमारी

कक्षा–बारहवीं

१। एक पेड़ पर दस कौवे बैठे थे। एक शिकारी ने गोली चलाई और उनमे से दो नीचे गिर कर मर गए। अब पेड़ पर कितने कौवे बचे ?

२। दो बेटे और दो पिता शिकार पर गए। वे सब कबूतर का शिकार करने में कामयाब हुए, लेकिन गिनती करने सिर्फ तीन कबूतर पाए गए ।कैसे ?

३। कौन से महीने में २८ दिन होते है ?

४। अगर एक पक्षी के पास सात अंडे है और डायनासोर ने एक अंडा खा लिया तो कितने अंडे बचेंगे ?

५। तुम हमेशा क्यों पानी पीते हो ?

६। कब १+१ जुड़कर २ नहीं होता ?

७। क्या हमेशा बढ़ती है पर घटती नहीं ?

उत्तर—

१। एक भी नहीं (क्यिों कि सब डर कर भाग जायेगा)

२। तीन ही लोग थे (बेटा, बाप और दादा)

३। सारे महीने में।

४। सात (डायनासोर लुप्त हो चुके हैं।)

५। क्योंकि पानी को चबाया नहीं जा सकता।

६। गलती से।

७। हम सब की उम्र।

देह और आत्मा में अधिक से अधिक जितने सौन्दर्य और जितनी सम्पूर्णता का विकास हो सकता है, उसे सम्पन्न करना ही शिक्षा का उद्देश। है।

– प्लेटो

स्कूल के वह दिन

सृजति मुर्खार्जी
कक्षा–दसवीं

कुछ रास्ते हम चलते नही थकते,
कुछ पल रूकाये नही रूकते,
याद बन गया हर वो लम्हा,
स्कूल के दिन वापस नही मिलते...

वो स्कूल का ग्राउंड,
वो सी–सो हमारा,
आज भी याद है,
वो क्लास रूम हमारा...

वो पेन्सील के लिये लढ़ना झगड़ना,
दोस्तो का वो रूठना मनाना,
बर्थडे के दिन नयी ड्रेस पहनना
हर पल में बस खुशियाँ मनाना...

होमवोर्क पूरा हो तो
फस्ट बेंच के लिये झगड़ना,
वर्ना बुक भूलने के बहाने बनाना...

प्ले आवर का वो सबसे बड़ा इंतजार,
और उसका चुटकियो में निकल जाना,
ऑटो में बैठ कर फिर,
बोर्नविटा के खयालो में खो जाना...

वो जीतना हारना,
वो बालों को खिचना,
याद है मुझे,
हर पर वो सुहाना...
वो छुट्टी में हमारा,
ड्रोइंग क्लास लगाना,
वो बटरफ्लाय वो गुलदस्ता बनाना,
वो वीडियो गेम हमारा,
वो ताश का घर बनाना...

वो घर टूट गया,
वो बचपन बीत गया,
बहुत सारी प्यारी प्यारी यादे दे गया,
वो बचपन मेरा चुपके से चला गया....

पंछी होती मैं नील गगन की

सृष्टि कुमारी
कक्षा – तीसरी

पंछी होती मैं नील गगन की
मीठे फल खाती चमन की
इधर–उधर उड़–उड़ कर जाती
तिनके लाती नीड़ बनाती।

मेरे सुंदर पंख भी होते
कोमल–कोमल छोटे–छोटे
अपने सुंदर पंख फैलाती
दूर गगन में उड़ कर जाती

खुली हवा में खुले गगन में
रहती में भी अपनी लगन में
पूरी दुनिया अपनी घर होती
क्या नदिया क्या पर्वत चोटी

पर मुझ को कुछ दुख भी होते
सर्दी–गर्मी से न बचते
न में हँसती न में बोलती
अपना दुख फिर किससे कहती

मम्मी हमें न गोद उठाती
पापा से न खिलौने पाती
याद सताती घर–आँगन की
जब पंछी बनती नील गगन की

''शिक्षा राष्ट्र की सस्ती सुरक्षा है।''
– बर्क

जो बहुत याद आता है

तय्यबा अज़रा
कक्षा–बारहवीं (कला विभाग)

वो अंतरा का काजल है बड़ा प्यारा,
वो ब्यूटी का खूब इतराना,
वो बिथिका की बक–बक से हमारा पक जाना,
फिर भी हर दोस्त बहुत भाता है।
जो बहुत याद आता है।
वो नीलेश का हर बात पर हँसाना,
वो नलिनी का हर मुश्किल में साथ निभाना,
वो निरंजन का हर बात को मुस्कुरा के टालना,
ओ विक्की प्रतिदिन टिफिन भर–कर लाता है।
जो बहुत याद आता है।
वो स्नेहा का हमेशा दीदी कर कर काम कराना
वो भाग्यश्री का अपनी बातो पर रिझाना,
ओ सन्नी अपना होमवर्क हमेशा घर भूल जाता है।
जो बहुत याद आता है।
इन यारो की यारी ने जीना सिखा दिया,
हर मुश्किल को हँस के सहना सिखा दिया,
भगवान इनकी जिंदगी को सुखो से भर दे,
यही दुआ करती हूँ खुशियाँ हर पल रब दे।
जैसे वह फूलो को महँकाता है
जो बहुत याद आता है।

जिस गली जाकर

आस्था

जिन्दगी जीना तो है, लेकिन जिया जाए ना,
एक सफ़र शुरु किया है, लेकिन तुम बिन पूरा किया जाए ना।
दिल रोशनी में चाहता नहाना अब अंधेरे में रहा जाए ना,
जिस गली जाकर बस गया तूँ, आना चाहूँ तो भी आया जाए ना।
किस गली में ढुँढू कि अब ढूँढा जाए ना,
कैसे रोऊँ कि अब रोया भी जाए ना।
समझने लगी हूँ सब, पर सबको समझाया भी जाए ना,
जिस गली जाकर बस गया तूँ आना चाहूँ तो भी आया जाए ना।
कोशिश खुश रहने की है, पर खुश रहा जाए ना,
क्या गलती भी पूछना बेकार है, क्योंकि अब चाह के भी सही किया जाए ना।
चाहत तो सितारों की भी, पर अब तो पत्थर के टुकड़े भी हाथों में आए ना,
जिस गली जाकर बस गया तूँ, अना चाहूँ तो भी आया जाए ना।

हे सिपाही

सम्पूर्णा मंडल
कक्षा–नवीं

हे सिपाही
हर तरफ़ मौत का कोहरा पड़ा है।
जाने फिर भी हर दिशा में दूँ
मौत के मुँह में जाना तो है ही
रोना क्यों फिर ?
तूँ तो साहसी बन उसी दिन चला था
जब मातृ आँचल छोड़ तू आगे बढ़ा ऐथा
फिर थी हर दिशा में दूँ

''शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, कर्म है।''

– हर्बर्ट स्पेन्सर

परीक्षा का डर

अनिन्दिता बर्मन

कक्षा–दसवीं

परीक्षा का डर डब मंडराता है सिर पर,
दर्द भरी स्थिति बरस पड़ती हैं हम पर।
दस दिन पहले से ही हम जपने लगते है हर–हर,
आलसी छात्र भी करते है मेहनत दिन–भर।।
बस एक ही रट लगाए रहते है मर–मर,
सर ! सर ! दया कर दे दीजिएगा हमें अंक भर–भर।
जब मिल जाते है हमें अच्छे नंबर,
तो निकल आते है हमारे बड़े–बड़े पर।
सारे टीचर्स बिठाके रखते है हमें सिर पर,
पर नहीं टिकती यह खुशी महिने भर।।
न रहते हमारे पर और न ही हमारे प्यारे सर,
जब पता चलता है कि परीक्षा देना है बाकी एक और।
तो संभालो अपना डर,
क्योंकि नहीं है चारा कोई और।
तो बोलो हर ! हर !

बूझो तो जाने

बृष्टि घोष

कक्षा–आठवीं

१। समुद्र ने मुझे बनाया,
उजली है मेरी काया।
मेरे बिन हर स्वाद अधूरा
पापड़ हो या चना भूटूरा।।
—नमक

२। पानी से निकला वृक्ष एक
पत्ते नहीं है पर डाल अनेक
इस वृक्ष की ठंडी छाया।
पर कोई उस पर बैठना पाया।।
—फुहारा

३। गोलगोल है लहंगा उसका,
एक टांग पर खड़ा रहे
करते है सब चाह उसकी
वर्षा और धूप सहे।।
—छाता

४। गोलगोल है एक चकरी
नस–नस में उसका रस।
शीघ्र नाम बताओ उसका
गिनूँ एक से दश।।
—जलेबी

रिश्तो की परख

नेहा दास

कक्षा–दसवीं

किसी ने ईश्वर से पूछा !
दोस्त और भाई में क्या फर्क है ?
ईश्वर ने कहा—
'' भाई सोना है और दोस्त हीरा है''
उस आदमी ने कहा
''आप ने भाई को कम कीमत और दोस्त को कीमती चीज़ से क्यों नवाज़ा'' ?
तो ईश्वर ने कहा—
''सोने में दरार आ जाए तो उसे पिछला कर बिलकुल पहले जैसे बनाया जा सकता है। जबकि हीरे में एक दरार आ जाए तो वो कभी भी पहले जैसा नहीं बन सकता।

''जिस शिक्षा में समाज और देश की कल्याण–चिंता के तत्त्व नहीं है, वह कभी सच्ची शिक्षा नहीं कही जा सकती।''

– रस्किन

यह है हम सब के प्यारे

Vaishnavi Vashishtha
Class-VI

Thought : A grandparent is a little bit parents, little bit teacher, and a little bit best friend

Grandparents are the best gift in the world...

Through : Love your grandparents, care them, and respect to them because they are the oldest and loneliest members in the family

भगवान है पर प्रभु नहीं
गुरु है पर शिक्षक नहीं
वह है सब से न्यारे
यह है हम सब के प्यारे।।

दिलदार है, पर खडूस नहीं
नेक है, पर मायूस नहीं
कभी ना वह पूछे क्या है ?
यह है हम सब से प्यारे।

वह करते जादू, पर जादूगर नही
सच करते सब कुछ, पर फरिस्ते नही।
डरे ना किसी से यह सबसे है न्यारे
यह है हम सब के प्यारे।

यह है कुछ अलग और प्यारे
यह है स्पेशल पैरेन्टस
सच कर देते सब कुछ
क्योंकि यह है हमारे
प्यारे-प्यारे ग्रैंडपैरेन्ट्स।

''शिक्षा प्राप्त करने के तीन आधारस्तम्भ हैं - अधिक निरीक्षण करना, अधिक अनुभव करना एवं अधिक अध्ययन करना।''

- केथराल

पहेली

झरना गोगोई
कक्षा–दसवीं

१। रात को यह पक्षी आए,
टुकटुक देखे और छिप जाए,
बिना आग के जल–जल जाए,
साथ के मन को लुभाए।
उत्तर—जुगनू

२। हरी–हरी मछली के,
हरे–हरे अंडे,
जल्दी से बताओ
वरना पड़ेंगे डंडे।
उत्तर—मटर

३। मुझे सुनाती मेरी नानी,
प्रथम कटे तो होती हानि,
बच्चे भूले खाना–पानी,
एक था राजा, एक थी रानी।
उत्तर—कहानी

४। पैरों से वह भोजन करे,
पिए पैर से पानी,
एक ही जगह पर खड़ा रहे
कौन है ऐसा ध्यानी
उत्तर—पेड़

५। तीन अक्षर का मेरा नाम,
आता हैं लिखने के काम,
प्रथम कटे तो हाथी बन जाऊँ
अन्त कटे तो कौआ कहलाऊँ।
उत्तर— कागज

हमारे प्यारे बादल

संप्रिक्ता दत्ता
कक्षा–चतुर्थ

बादल बादल क्यों बरसाते हो पानी
बादल बादल क्यों करते हो शैतानी
फिर भी लगते बहुत अच्छे
प्यारे न्यारे बादल।
कभी ला देते हो बाढ़
कभी हो जाते शैतान
हमारे प्यारे
बादल
लग ते हो तुम बहुत भले
हम सब से करते हो प्यार
हमारे प्यारे बादल
हमारे न्यारे बादल
कभी कभी ज़िद्दी बन करके
बरसाते पानी
फिर भी लगते भले हो तुम
हमारे प्यारे न्यारे
बादल

हाय रे परीक्षा

प्रियाँशु कुमार
कक्षा–दसवीं

जिस नाम को सुनने से काँपता है हर बच्चा
वो है परीक्षा।
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है,
की अच्छा नहीं किया
तो घर पर पिटना पक्का है।
३ घंटे में करने होते है लगभग ४० सवाल,
एक भी छूटा
तो घर पर होता है बवाल।
रिजल्ट के एक दिन पहले
रात को नींद नहीं आती है।
अच्छा नम्बर पाने के लिए
भगवान की याद आती है।
रखते है विद्यार्थी भगवान का व्रत,
अगर फेल हुए तो लगता है होगा
'डन्डे से नृत्य''।
पास होने पर मिलता है,
शानदार इनाम
और मुख से निकलता है,
''थैक्यू भगवान''।
फिर आती है अगली कक्षा
तब भी मुख से निकलता है।
''हाय रे परीक्षा''।।

''युवकों को यह शिक्षा मिलना बहुत जरूरी है कि वे अपने सामने सर्वोत्तम आदर्श रखें।''

– मदनमोहन मालवीय

Translation of Our National Anthem In English : Word By Word

Sreeja Chowdhury
Class-VII

जन—	People	तरंगा—	Waves
गन—	Group	तब—	Your
मन—	Mind	शुभ—	Auspicious
अधिनायक—	Leader	नामे—	Name
जय हे—	Victory	जागे—	Awaken
भारत—	India	तब—	Your
भाग्य—	Destiny	शुभ—	Auspicious
विधाता—	Disposer	आशीब—	Blessing
पंजाब—	Punjab	मागे—	Ask
सिंधु—	Sindhu	गाहे—	Gaahe
गुजरात—	Gujarat	तब—	Your
मराठा—	Maratha	जय—	Victory
द्राविड़—	South	गाथा—	Song
उत्कल—	Orissa	जन—	People
बंग—	Bengal	गण—	Group
विंध्य—	Vindhya	मंगल—	Fortune
हिमाचल—	Himalayas	दायक—	Giver
यमुना—	Yamuna	जय हे—	Victory be
गंगा—	Ganges	भारत—	India
उच्छलय—	Moving	भाग्य—	Destiny
जलधि—	Ocean	विधाता—	Dispenser

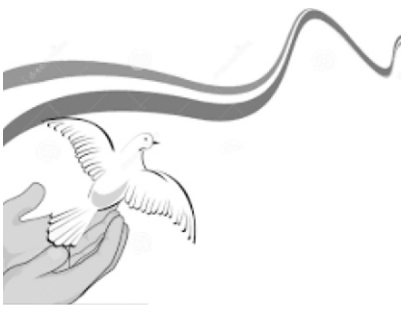

जय हे ! जय हे! जय हे! जय जय जय जय हे। = Victory, Victory, Victory, Victory Forever

जय हिन्द =Jai Hind

''शिक्षा विविध जानकारियों का ढेर नहीं है।''

– स्वामी विवेकानन्द

क्लास मॉनीटर

आसीफ़ पारवेज़
कक्षा–दसवीं

जो क्लास में बने मॉनीटर
कोरीशान दिखाते हैं।
आता जाता कुछ भी नहीं,
पर हम पर रोब जमाते हैं।
जब क्लास में टीचर नहीं,
तो खुद टीचर बन जाते हैं।
कॉपी पेंसिल लेकर,
बस नाम लिखने लग जाते हैं।
खुद तो हमेशा बातें करें,
हमें चुप करवाते हैं।
अपनी तो बस गलती माफ़,
हमें बलि चढ़ाते हैं।
क्लास तो संभाल पाते नहीं,
बस चीखते और चिल्लाते हैं।
भगवान बचाए इन मॉनीटर से
इन्हें हम नहीं चाहते है।

हे वीर पुरुष

बरुण कुमार सिंह
कक्षा–दसवीं

हे वीर पुरुष, पुरुषार्थ करो
तुम अपना मान बढ़ाओं न...
अपनी इच्छा शक्ति के बल पर
उनको जवाब दे आओ न...
वे वीर पुरुष होते ही नही
जो दूजों को तड़पातें हैं
वे वीर पुरुष होते सच्चें
जों दूजों का मान बढाते है...
इतनी जल्दी थक जाओ नही
चलना तुमको अभी कोसों है
पांडव तो अब भी पाँच ही है
पर कौरव अब भी सौ–सौ है...

माँ

कृष्णा बाल्मीकि
कक्षा–पाचवीं

माँ माँ प्यारी माँ
मुझे तूँ सुलाती है
मुझे तूँ निहारती है
मुझे प्यार से खिलाती है।
माँ माँ प्यारी माँ
मुझे तूँ कहानी सुनाती है।
कभी तूँ रुलाती है तो कभी तूँ हँसाती है।
मेरे दिल मे तूँ हमेशा रहती है।
माँ माँ प्यारी माँ
तूँ है तो दुनिया है
तूँ नहीं तो कुछ नहीं।

बहुत घुटन है

सोनू कुमार पासवन
कक्षा–दसवीं

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल दो, किरणों को मुस्काने दो।
ऊँचे–ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक–दमक, आणा–धापी है, पर जीवन का नाम नहीं
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो।
बहुत घुटन है.....

हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी रूकता क्यों उपवास नहीं
बाबा की सूनी आँखो में चुभता तिमिर भगाने दो
बहुत घुटन है.....

हर उदास राखी गुहराती भाई का वह प्यार कहाँ।
डरे–डरे रिश्तें भी कहते–अपनो का संसार कहाँ।
गुमसुम डालियों को मिलने दो, खुशबू तो बिखराने दो।
बहुत घुटन है बंद घरो में खुली हवा तो आने दो।

''जो लोग माता–पिता, गुरु और स्वामी की शिक्षा को स्वाभाविक ही सिर चड़ाकर उसका पालन करते हैं उन्होंने ही जन्म लेने का लाभ पाया है।''

– गोस्वामी तुलसीदास

आराधना

अनुराग प्रसाद बर्नवाल
कक्षा–सातवीं

हे ईश्वर दो हमको ऐसा ज्ञान,
पढ़–लिखकर, हम हो देश की शान।
शिक्षा पाएँ ध्यान लगाकर,
जग में चमके हमारा नाम।
अपने बड़ों की आज्ञा मानकर,
सदा हमसे हों अच्छे काम।
हम सबके हाथों में है,
भारत देश की रक्षा का भार।
इस कारण हो, हर भारतवासी,
अपनी आज़ादी का पहरेदार।
भारत देश हमारा बने महान,
हमें, बस हो इस पर अभिमान।
जीवन अपना सफल बनाकर,
ऊँचा करें देश का नाम।

बेटी

सुजल महतो
कक्षा–सातवीं

बेटी की मोहब्बत को कभी आजमाना नहीं,
वह फूल है, उसे कभी रूलाना नहीं
पिता का गुमान होती बेटी,
जिन्दा होने की पहचान होती है बेटी,
उसकी आंखे कभी नम न होने देना,
उसकी जिन्दगी से कभी खुशियाँ कम ना होने देना
उँगली पकड़ कर जिसको चलाया था तुमने,
बहुत छोटा सा सफ़र होता है बेटी
के साथ,
बहुत कम वक्त के लिये वह होती हमारे पास.... !!
असीम दुलार पाने की हकदार वह बेटी,
समझो ईश्वर का आशीर्वादहै बेटी।

चुटकुले

अमर कुमार बाल्कमी
कक्षा–दसवीं

१। टीचर : सजूं यमुना नदी कहाँ बहती है ?
संजू: जमीन पर
टीचर : नक्शो से बताओ कहाँ कहती है ?
संजू: नक्शो से कैसे बह सकती है, नक्शा गल नही जाएगा

२। टीचर : तुम परिदों के बारे में सब जानते हो ? ?
संजू : हाँ !!
टीचर : अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नही सकता ?
संजू : मरा हुआ परिंदा
भाग पागल कहीं का

३। टीचर (स्टूडेंट से) : सेमेस्टर से क्या फायदा है, बताओ।
स्टूडेंट : फायदा तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में दो बार हो जाती है।
टीचर : वाक्य को अंग्रेजी मे ट्रांसलेट करो—''बसंत ने मुझे धक्का मारा''।
संजू: वसन्तपंचमी अच्छा किया !!

पहेलियाँ

किरण चौधरी
कक्षा–चौथी

ऐसी कौन सी चीज़ है जो पढ़ने और लिखने दोनो में काम आती है लेकिन वह पेन भी नही है और कागज भी नही है।
उत्तर—चश्मा

एक आदमी बारिश में भीगते हुए जा रहा था। सिर के बालों को छोड़कर उसका पूरा शरीर पानी से भीग गया। बताओ उसके सिर के बाल क्यों नहीं भीगे ?
उत्तर—क्योंकि वो आदमी गंजा था।

''वह शिक्षा केहि काम की, जनि काहू पै होय।
लहे सहसुन व्यय किये, काम न आवै कोय।''

– रामेश्वर करुण

सबसे बड़ा

साक्षी कुमारी

कक्षा–बारहवीं

१। सबसे बड़ा महादीप—एशिया

२। सबसे बड़ा महासागर—प्रशान्त महासागर

३। सबसे बड़ा नगर–लंदन (ग्रेट ब्रिटेन)

४। सबसे बड़ा देश—रूस

५। सर्वाधिक जनसंख्या का देश—चीन

६। सर्वाधिक आबादी वाला नगर—टोकियो (जापान)

७। सबसे बड़ा द्वीप—ग्रीनलैण्ड

८। सबसे बड़ा द्वीप-समूह—इण्डीनेशिया

९। सबसे बड़ा नदी-द्वीप—माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असम)

१०। सबसे बड़ा डेल्टा—सुन्दरवन (भारत)

११। सबसे बड़ा सागर—दक्षिणी चीन सागर

१२। सबसे बड़ी नहर—स्वेज नहर

१३। सबसे बड़ी झील—कैस्पियन सागर (रूस)

१४। सबसे बड़ी ताजे पानी की झील— सुपीरियर झील (अमेरिका)

१५। सबसे बड़ा गल्फ–मैक्सिको का गल्फ

१६। सबसे बड़ा बाँध (कंक्रीट)—ग्रान्ड कूली बाँध (कोलम्बिया नदी, अमेरिका)

१७। सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन—ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल (न्यूयार्क)

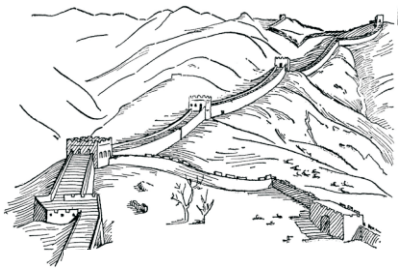

१८। सबसे बड़ी रेल सुरंग—सीकन रेल सुरंग (जापान)

१९। सबसे बड़ी सड़क सुरंग—सेंट गोत्थार्ड (स्वित्जरलैण्ड)

२०। सबसे बड़ा सड़क पुल—महात्मा गाँधी सेतु (पटना, भारत)

बादल

नेहा भंडारी

कक्षा–पाँचवी

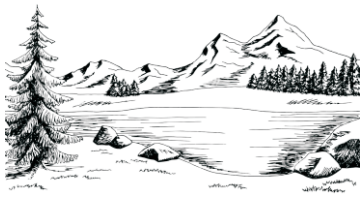

खुशियों के पैगाम ये बादल
गरज बरस कर आते बादल
काले काले भूरे पीले
कितना हमें डराते बादल
खुशियों का पैगाम ये बादल।
फसलों की तो जान हैं बादल
लेकिन हद से गुजर गये तो
बन जाते हैं काल ये बादल
दूर देश से आते बादल
बारिश को संग लाते बादल
बच्चों, बूढ़ों और बूढ़ी की,
मस्ती का ही नाम है बादल
लाते हैं संदेश बादल,
बूँद–बूँद पानी को भर लो
जाने कब फिर बरसे बादल
इन्द्रधनुष के रंग में सबको
रंग जाते है प्यारे बादल
जीवन के पल पल को रंगलो
रंग–बिरंगे दिखते बादल

''हमारी आज की शिक्षा में चाहे जितने सद्‌गुण हों, किन्तु उसमें जो बड़ा दुर्गुण है वह यही है कि उसमें बुद्धि को ऊँचा और परिश्रम को नीचा स्थान दिये जाने की भावना है।''

– महात्मा गांधी

अनमोल संदेश

श्रुती बाल्मीकि
कक्षा–दसवीं

दुनिया की ताकतवर चीज है, 'लोहा'
जो सबको काट डालता है....
लोहे से ताकतवर है, 'आग'
जो लोहे को पिघला देती है....
आग से ताकतवरहै, 'पानी'
जो आग को बुझा देती है...
पानी से ताकतवर है 'इंसान'
जो पानी को पी जाता है...
इंसान से भी ताकतवर है 'मौत'
जो उसे ले जाती है..
और मौत से भी ताकतव है 'दुआ'
जो मौत को भी टाल सकती है....
अतः सभी के मंगल को सदा दुआ करो।

''छोटी सी जिन्दगी है नफ़रत कब तक करोगे।
घमंड न करना जिन्दगी में, तकदीर बदलती रहती है,
शीशा वही रहता है, बस तस्वीर बदलती रहती है।

पुरुषार्थ का महत्व

भाग्यश्री चटरर्ज्जी
कक्षा–बारहवीं

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो
पुरुष क्या, पुरुषार्थ हुआ न जो
हृदय को सब दुर्बलता तजो
दुर्बल जो तुम में पुरुषार्थ हो
सुलभ कौन तुम्हें न पदार्थ हो ?
प्रगति के पथ में विचरो, उठो
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो

न पुरुषार्थ बिना कुछ स्वार्थ है,
न पुरुषार्थ बिना परमार्थ है।
समझ लो यह बात यथार्थ है
कि पुरुषार्थ ही पुरुषार्थ हैं।
भुवन में सुख–शांति भरो, उठो।
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो

न पुरुषार्थ बिना वह स्वर्ग हैं,
न पुरुषार्थ उपवर्ग है,
न पुरुषार्थ बिना क्रियता कहीं।
न पुरुषार्थ बिना प्रियता कहीं।
सफलता सामने है वरो, उठो,
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।

न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ
सफलता वह या सकता कहाँ ?
अपु..षार्थ भयंकर पाप हैं।
न उसमे यश हैं न प्रताप हैं।
न कृमि–कीट समान मरो उठो,
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो

''शिक्षा जीवन की परिस्थितियों का सामना करने की योग्यता का नाम है।''

– डॉ. जान जी. हिबन

English Section

My School Promise

Soham Debnath
Class - V

Each day I'll do my best,
And I won't do any less,
My work will always please me,
And I won't accept a mess.

I'll colour very carefully
My writing will be neat
And I will not be happy
Till my papers are complete.

I'll always do my homework
And try my best in every test
I want target my promise,
To give everyday my best.

Amazing Facts Around The World

Dipti Lohar
Class - X

1. *World's longest free Wi-fi zone (20 km) is in patna, India.*
2. *Internet is controlled by 14 people having 7 secret keys.*
3. *Japan has a network of roads that play music as you drive over them at correct speed.*
4. *Having at least one 'Lazy day' per week can help reduce stress, high blood pressure, stroke.*
5. *Almost 70,000 thoughts a day hit the average human mind.*
6. *The famous Nike logo, a solid swoosh was designed for just $25.*
7. *People who sleep less than 6 hrs. are four times more likely to catch a cold.*
8. *U.S. consumers spend about nearly $5 billion a year on Christmas gifts for their pets.*

"To educate a person in the mind but not in morals is to educate a menace to society."
— Theodore Roosevelt

Happy Fishes

Mouli Ghosh
Class - V

Deep under the ocean and sea
The fishes are playing and swimming happily.
Some fishes are dangerous
and some are funny.
Some are big and some are tiny!
When the big waves come, they feel scared
After the wave's gone, they become happy
Then faces touches the fern
Happiness and joy conquer their terror. Thus,
Mother, father and son stay without fear
Deep under the waters.

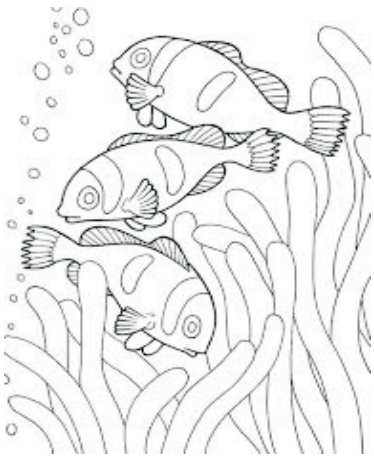

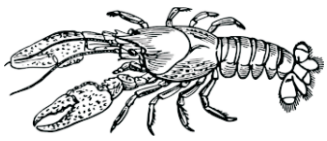

Amazing Facts

Ashutosh Diwan
Class - VIII

1. *Dogs have red-green colour blindness they can only view colour such as blue, yellow and gray.*
2. *Dolphins use echo location to navigate and hunt, bouncing high-pitched sounds off objects and listening for the echoes.*
3. *The largest cell in the world is an ostrich egg.*
4. *Ostriches usually eat plants roots and seeds. But depending on their habitat, they also eat insects, lizards or other available creatures.*
5. *382 kg of rocks were brought back from the Moon during the Appolo Missions.*
6. *Termites are actually cockroaches that evolved to eat wood.*
7. *The average duration of a yawn is about 6 sec.*
8. *The praying Mantis has a triangular head.*
9. *A lobstar's blood is colourless until it comes in touch with oxygen it turns blue.*

"He who opens a school door, closes a prison."

— Victor Hugo

Open a Book

Deepshikha
Class - VII

Open a book
And you will find,
People and places of every kind;
Open a book
And you can be,
Anything you want to be!
Open a book
And you can share,
Wondrous words you find in there
Open a book
And I will too
You read to me,
And I'll read to you.

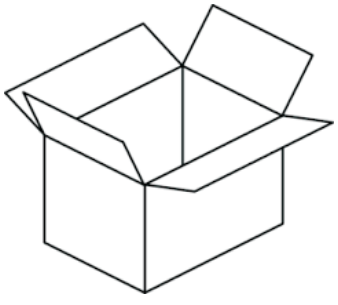

Some Important Abbreviations

Aditya Das
Class - VIII

AIIMS	All India Institute of Medical Science
ALH	Advanced Light Helicopter
BBC	British Broadcasting Channel
ISRO	Indian Space Research Organization
PIN	Postal Index Number
UNEP	United National Environment Program
LOC	Line of Control
BARC	Bhabha Atomic Research Centre
ASI	Archeological Survey of India
ODS	Ozone Depleting Substances
ATM	Automated Teller Machine
OMR	Optical Mark Reader
MICR	Magnetic Ink Character Reader
ASLV	Augmented Satellite Launch Vehicle
MODEM	Modulator-Demodulator
MRI	Magnetic Resonance Imaging
RAF	Rapid Action Force
JPEG	Joint Photograph Experts Graph
BGG	Bacillus Calmatte Guerin

"O teach me how I should forget to think (1.1.224)"

— William Shakespeare, Romeo and Juliet

Famous Books & Authors

Aditya Das
Class - VIII

Buddha Charitam		*Ashwaghosha*
Business @the Speed of Thought		*Bill Gates*
Comedy of Errors		*William Shakespeare*
Ananda Math		*Bankim Chandra Chatterjee*
I dare		*Kiran Bedi*
Gora		*Rabindranath Tagore*
The Grand Design		*Stephen Hawking*
Harry Porter		*J. K. Rowling*
Gulliver's Travels		*Jonathan Swift*
Discovery of India		*Jawaharlal Nehru*
The Wealth of Nations		*Adam Smith*
Time Machine		*Herbert George Wells*
My experiments with Truth		*Mahatma Gandhi*
The Three Musketeers		*Alexander Dumas*
David Copperfield		*Charls Dickens*
Essay of Gita		*Sri Aurobindo Ghosh*
Devdas		*Sarat Chandra Chatterjee*
Golden Threshold		*Sarojini Naidu*
Ethics for New Millenium		*Dalai Lama*

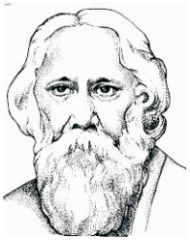

"If a man is to shed the light of the sun upon other men, he must first of all have it within himself."
— Romain Rolland

Reckless Driving Thrills But Kills

Priyanshu Raj
Class - XII

'Speed thrills but it kill', no one cares about it. Today our roads are fast becoming a theatre of moddening public behaviour with mothorists becoming more reckless, intoterant and violent. The average number of accidents is increasing alarmingly. Only next some how more than five are being injured or killed due to such thrilling excitement.

The cause is not the prevention or some precaution that might be taken to stop. Actually it is the carelessness and nothing else. Usually the drivers of the trucks drives under the influence of liquor, at night especially. Likewise there are many cases of motorists mowing down the pedestrian traffic police personnels and motorcyclist.

In these accidents hundreds of people die everyday, someone losing their son, daughter, father, brother, husbands. Many become orphans due to other's fault. But nobody pays attention to this tragic reality and is now on everyday routine for the cops to investigate about it.

It is high time the government acted tough in this regard and took effective measure to control rash driving. Reckless driver and habitual defaulter should be caught, put behind the bars and permanently debarred from driving. Licence should only be given is the driving test should be passed not by the age category. And also government training & video lecture and road safety week should be initiated for young generations to follow the road safety rules.

Try This Out!

Sania Khatun
Class - VII

1. *Which is the longest man-made structure in the world ?*

Ans. *Great Wall of China*

2. *Which place was described as "a rose-red city half as old as time" ?*

Ans. *Petra*

3. *Which famous monument is also called the Flavian Amphitheature ?*

Ans. *The Colosseum in Rome.*

4. *Which is the only ancient wonder of the world that exists even today ?*

Ans. *Great Pyramid of Giza*

5. *In which U.S. state is the Grand Canyon located ?*

Ans. *Arizona*

6. *Who is generally believed to be the chief architect of the Taj Mahal ?*

Ans. *Ustad Ahmad Lahauri*

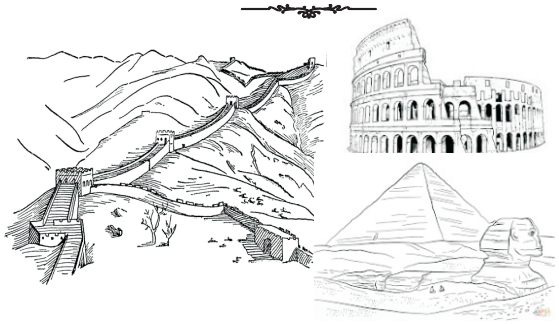

"All I have learned, I learned from books."

— Abraham Lincoln

The Monster of Corruption

Priyanshu Raj
Class - XII

Corruption is rampant in all spheres of life in our society. Whether it was the CWG (in Common Wealth Games) or purchase of army trucks or the contracts of land mining or crores of black money stashed away in Swiss banks or the scams like NRHM, corruption is eating into the country.

And that is the reason why the common man on the street is afraid of the police, the sales tax office, the mining mafia and the land mafia and so, on. The most dangerous face of this menace is reflected by dubiour noxus of a corrupt politician and a bureaucrat, as the law makers becomes the law breakers.

The factors responsible for corruption are many. One caste and nepotism have become the basis of distribution of patronage. Two, with a common financial interest, emotion rather than reason dictates politics. There, society tolerates amassing of wealth by wrong means. And finally, the mind set of earning for children and the grandchildren makes the path diverted to many means.

If democracy has to survive, the middle class value of probity in public life will have to survive and be sustained.

If each of us refuses to offer bribes, however small the corrupt cycle can be stopped.

Brain Teasers

Aditya S
Class - X

EASY :

1. *What has a ear but cannot hear, has a colonel but no army ?*
2. *It is brown has a head a tail and date - What is it ?*
3. *How many letters are there in Alphabet ?*
4. *It has a mouth but never eats has a bed never sleeps always running never walks, What is it ?*

HARD :

5. *What comes once in a minute twice in a moment but not a single time in a hundred yards ?*

Answers :

1. *Corn*
2. *A Penny*
3. *8 Letters 'ALPHABET'*
4. *A river*
5. *The letter 'M'*

"Live as if you were to die tomorrow. Learn as if you were to live forever."

— Mahatma Gandhi

The Bonding with ...

Smrutirupa Sahu
Class - XII

Amora
When the wings of fire had covered me up
And the tentacles of sorrow had held me down
I don't know how she came and loosened my clutches!
I don't know how she came and embraced me to her heart!
I don't know how she made all my pains disappear!
I don't know how she made me free like a bird!
I don't know how she let my tears wet my cheek!
I don't know how her lips reflected my smile!
I don't know how she talked to me so dearly!
I don't know how she made me her friend!
I don't know how she taught me to live!
I don't know how she taught me to love!
I don't know how she understand me so well!
I don't know how she became all I carved for!
I don't know how our souls were attached!
I don't know if it's good luck or God's blessing;
that we had quarrels only till class seven
But now I know that Im incomplete without her
And now I know that the tentacles of love bind us together
And now I know that the wings of friendship will open up for heaven,
And now I know that we were destined to meet.
And all I believe is that I want no more .....

"I have never let my schooling interfere with my education."

— Mark Twain

My Father My Backbone ...

Smrutirupa Sahu
Class - XII

Father,
You always stand by me
Correct me if I am wrong
Agree with me If I am right
Never let anyone drag me down
Always help me tackle the problems that come my way ...
And always shower your heart warming love
You say, "Dear, I am there with you!!
Holding your little hand
Protecting you from the evils of the world
Teaching you to fight the evils"
I don't know how to thank you
For all that you have done for me
But still all I want to say is -
A big "thank you" for all that
You have done for me .....

Surja Pal
Class-VIII

"You can never be overdressed or overeducated."

— Oscar Wilde

Time Words

Manisha Mondal
Class - X

Here are some of the words used to describe the unit of time –

Choron	:	*One billionth of a trillionth of a second.*
Fentosecond	:	*0.000000000000001 of a second.*
Piosecond	:	*0.000000000001 of a second.*
Nanosecond	:	*0.000000001 of a second.*
Microsecond	:	*0.000001 of a second.*
Milisecond	:	*0.001 of a second.*
Contisecond	:	*0.01 of a second.*
Second	:	*1/60 of a second.*
Minute	:	*60 seconds.*
Hour	:	*60 minutes.*
Day	:	*Sunrise to sunrise, 24 hours.*
Week	:	*7 days.*
Fortnight	:	*Two weeks.*
Month	:	*Full moon to full moon, 1/12 of a year, 4 weeks.*
Bimester	:	*Two months.*
Trimester	:	*hree months.*
Year	:	*365 days.*
Solar clay	:	*23 hours 56 minutes.*
Solar Year	:	*365.2419 solar days.*
Leap Year	:	*366 days.*
Decade	:	*10 years.*
Century	:	*100 years.*
Millenniom	:	*1000 years.*

"You educate a man; you educate a man. You educate a woman; you educate a generation."
— Brigham Young

When You Light A Candle This Year

Nayanika Chaterjee
Class - X

When you light a candle this year
Learn to burn a candle's way,
Glowing self, melting exterior
Till the last breath is snatched away.

When you light a candle this year
Capture the spark in your eye,
Let it twinkle through the life
Like a star pasted in the sky.

When you light a candle this year
Let the glow ravel inwards too,
Through a thick get warm air
to make you gleam & shine through.

When you light a candle this year
Look in the eyes of the match stick,
See it smile through the flare
See it live in the candle's wick.

A Girl Child

Brishti Ghosh
Class - VIII

In the old days people were blind,
Do you know why ?
They thought they were cursed
When a girl child was born.
When boys were born
People held parties
And they ate sweets
Even at dawn.
Girls are killed even today.
Some in the womb
Some after they have
Seen the light of day.
People are unhappy
When girls take birth
And sell them Rs. 50 worth.
We read all the Holy books
But is there any use ?
Are girls born only to be hurt ?
So wake up!
Stop killing the girl child
For they are not a curse
But a boon and our pride.

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world."
— Nelson Mandela

Tongue Twister

Priyanshu Kumar
Class - X

1. *Denise sees the fleece*
   Denise sees the fleas.
   At least Denise could sneeze
   and feed and freeze the fleas.

2. *How can a clam cram in a clean cream can ?*

3. *I wish to wish the wish you wish, but if you wish the wish the witch wishes, I won't wish the wish you wish to wish.*

4. *Luke Luke likes lakes.*
   Luke's duck likes lakes.
   Luke Luke licks lakes.
   Luck's duck licks lakes.
   Duck takes licks in lakes Luke Luke likes.
   Luke Luke takes licks in lakes duck likes.

5. *To sit in solemn silence in a dull, dark dock,*
   In a pestilential prison, with a life-long lock,
   Awaiting the sensation of a short, sharp shock
   From a cheap and chippy chopper on a big black block!
   To sit in solemn silence in a dull, dark dock,
   In a pestilential prison, with a life-long lock.

"Education is the ability to listen to almost anything without losing your temper or your self-confidence."
— Robert Frost

After Midnight

Srijoti Mukherjee
Class - X

I saw the stars far off -
As far as I from them :
In this moment I saw them -
In moments of the twinkling past.
In the boundless depths of darkness,
These hours
Hunt the morning through the night.

And I can't make up my mind :
Am I living this life for the first time ?
Or repeating it, forgetting as I live
The first moment of breath every time ?

Does the fish too drink water ?
Does the sun feel the heat ?
Does the light see the dark ?
Does the rain too get wet ?
Do dreams ask questions about sleep as I do ?

I walked a long, long way
and when I saw, I saw the stars close by.
Today it rained all day long and the words were washed away
From your face.

"It does not matter how slowly you go as long as you do not stop."

— Confucius

LET ME LIVE

Priya Singh
Class - XII

Let me bloom - I'm the source of life -
I'm much more than a daughter and a wife,
Don't let me fade; I'm the glory of nature -
I'm proudly called a child's first teacher.
Me country needs me, get I'm not freed -
My wings are wipped; I'm the victim of greed.
Why on my education, liberty and freedom, there's always ban ?
Did you forget that behind a successful man, there is a women.
The society starts and ends with me -
But still why am I not free ?
Let me fly I'm the colour of love and joy
Why am I prejudiced for not being a bay ?
I'm the nest of love, goddess of warmth and care -
I'm a boundless kite, I fly and I do dare.
Let me live, let me thrive and jewel the care
Come forward and make my world a better place.

A Fun Day

Vaishnavi Vashishtha
Class - VI

Fun day, Fun day
It is Sunday.
Sing a beautiful song
But it is long.

You also play game
in the rain
you can dance
But all have to have a cancel.

We always enjoy
These days
Became it is a funday
That is Sunday.

"Only a generation of readers will spawn a generation of writers."

— Steven Spielberg

Top 10 Japanese Travel PhRases

Jayi Dutta
Class - XII

1) Jp. - Konnichiwa
   Eng. - Hello
2) Jp. - Hajimemashite
   Eng. - Glad to meet you
3) Jp. - Eki wa doko desu ku ?
   Eng. - Where is the station ?
4) Jp. - Shibuya kara Tokyo made ikura desu ba ?
   Eng. - How much it
5) Jp. - Hokkaido no toku betsu na tabemono wa nan desu ka ?
   Eng. - What is special dish of hokkaido ?
6) Jp. - Miso chaa shuu Ramen oomori kudasai ?
   Eng. - Miso flavoured charshu ramen, one big bowl please!
7) Jp. - Akemashite omedetou gozaimasu!
   Eng. - Happy New Year
8) Jp. - Watashi wa Indo Shusshin desu.
   Eng. - I am from India.
9) Jp. - Arigatou gozaimasu
   Eng. - Thank you very much.
10) Jp. - Ja! rata ne!
    Eng. - Then! See you again!

My Dream

Shreya Bhanja
Class - IX

Many a dream I have
Which one to choose
Doctor, Engineer or
Politician

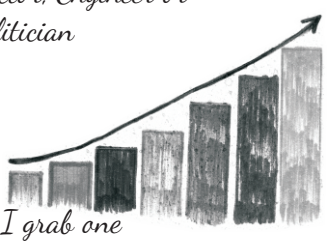

If I grab one
All the others I loose
But I have to choose one
and strive for it till the end
Break the goal into manageable tasks
and work for it till it is met.

"Intelligence plus character-that is the goal of true education."

— Martin Luther King Jr.

WOMAN

Anneyasha Chakraborty
Class - XII

We all know that the world is a stage and we all have to play significant roles in this stage. And among all the creatures acting on this stage, women are the most beautiful creatures, who play multiple roles as a daughter, a wife, a mother. And we all are in complete without them. A daughter is the most beloved one for her parents as she is a part of her parents. A wife, is the better half of her husband. And the most significant is the role of a mother. A mother is the one who completes her child's life with all her guidance, love, support and without her the child has no existance. You know when a child gets hurt or injured, the first word he or she speaks is 'Ma'. The nearest part of all these is inspite of their such a significant role, people forget to respect them. They just take them for granted. If a child is ill mannered, a mother is cursed, if a husband dies, a wife is cursed. Usually, a women is judged by her dressing sense and even her character is questioned. When a husband dies, he is not only a husband, he is also a son. So, both of them are equally hurt. Restriction are put on wives as well. But when a wife dies, husband has no restrictions, they can even marry a second time that to with full respect. But if a woman is married second time they are cursed. Though, we have laws implemented in the country, but a girl is still not safe. A girl is still physically harassed. The demons even not spare a small girl. When a girl wearing shorts, are being teased, then its not the fault of the person who teased, its the fault of the girl working such dresses. Why you know, its those girls are giving signals to them. I really don't know, when a girl, a mother, a wife will get their respect for their significant role. With a hope that after reading this, minds it of such people will change as in every woman, a man or the capability to best a man is hidden.

So, RESPECT WOMAN.

Interesting Facts

Tayyaba Azra
Class - XII

1. *There are no words in the dictionary that rhyme with : ange, purple and silver !*
2. *The word "Queue" is the only word in the English Language that is still pronounced the same way when the last four letters are removed.*
3. *"Rhythm" is the longest English word without a vowel !*
4. *Of all the words in the English language, the word `set' has the most definitions !*
5. *The tongue is the strongest muscle in human body.*
6. *Chess was invented in India.*
7. *Months that begin on a Sunday will always have a "Friday the 13th"*

"Educating the mind without educating the heart is no education at all."

— Aristotle

206 Human Bones At Your Fingertips

- **Axial Skeleton (80)**
  - Cranium (8)
  - Facial (14)
  - Ribs (24)
  - Ear Ossiles (2×3)
  - Sternum (1)
  - Hyoid Bone (1)
- **Appendicular (126)**
  - Girdle
    - Pectorial
      - Scapula (2×1)
      - Clavicle (2×1)
    - Pelvic (2×1)
  - Limbs
    - Forelimb (2×30)
      - Humerus (2×1)
      - Radia (2×1)
      - Ulna (2×1)
      - Metacarpals (2×8)
      - Carpals (2×5)
      - Phalarges (2×14)
    - Hindlimb (2×30)
      - Femur (2×1)
      - Tibla (2×1)
      - Fibula (2×1)
      - Patella (2×1)
      - Metatarsal (2×7)
      - Tarsal (2×5)
      - Phalarges (2×14)

Craium :

Trick : T O P S E F

Bones : Temporal (2), Occipital (1), Parietal (2), Sphenoid (1), Ethmoid (1), Frontal (1)

Facial :

Trick : Zore Likes Punching My Very Nose In Mouth

Bones : Zygomatic (2), Lacrimal (2), Palatine (2), Maxilla (1), Vomer (1), Nasal (1), Interior Nasal Canchae (2), Mandible (1)

Ear Ossicles :

Trick : M I S

Bones : Maleus, Incus, Staper

Metacarplas :

Trick : Some Lovers Try Position They Can't Handle

Bones : Scapnoid, Lunate, Trapezium, Pisiform, Trapezoid, Capitar, Mamate

Metatarsals :

Trick : Tiger Cub Need M I L C

Bones : Talus, Cuboid, Navicular, Calcaneous, Lateral Cuneiform, Intermediate Cuneiform, Medical Cuneiform

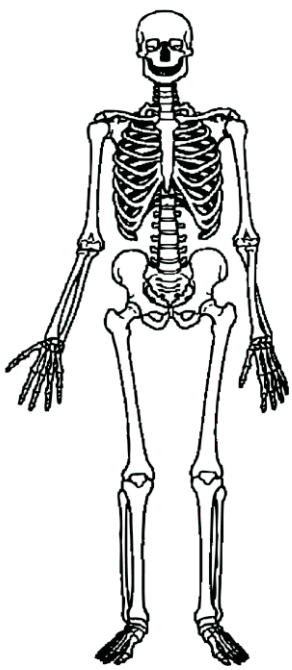

Priyanshu Mandal

"The task of the modern educator is not to cut down jungles, but to irrigate deserts."

— C.S. Lewis

Beggers

Ankita Mondal
Class-VI

They are Poor
But they don't get easily bored
Their throat get tried
But then also they keep hope.
They are the beggers of our street
Who walk on the griets
And pain their teeth
But begging and begging
No one ever tries to hear them
If either one heart
They pretend to be deaf
Please help them
Because they many also help you
They will bless you with pleasure
For their heart you can't measure

True Friends

Asmita Hajra
Class-XII (HUM)

Friendship is like a golden thread
That yours the hearts of
Two different persons.
A true friend is hard to find
and hard to lose and to get
a true friend is a great
blessing from God.
A true friend is one who
accepts your past, believes
your to day and gives good
advice for future.
So, the path many change as
life goes along, but
the golden bondage of
friendship will remain strong for ever.

I'M Happy You're My Dad

Sneha Ghosh
Class-VIII

I feel safe when you are with me ;
You show me fun things to do ;
You make my life much better ;
The best father I know is you.
Im happy you're my Dad
And I so want to say
I love you, Dad and wish you
A father's Day !

"Study without desire spoils the memory, and it retains nothing that it takes in."
— Leonardo da Vinci

Did You Know

Faran Ali
Class - IX

1. *Swami Vivekananda was asked during his visit to chicago on 15th Sept, 1893 - "What is Anger..... ?"*

   Swami gave a beautiful answer - "It is a punishment we give to ourself for somebody else's Mistake !!!"

2. *One of the Longest Mathematical Proof is 1200 pages long. The theorem took over 30 years, a Hundred Different People worked on it and it has 15000 pages of calculation.*

3. *Shakespeare once said, I cried when I had no shoes, But I stopped crying when I saw a Man without Legs.*

   Life is full of blessing, sometime we don't value it.

4. *E.C.G. Sudarshan, an Indian scientist and the first man in the world to prove Einstein's Theory False. According to the theory, nothing can move faster than speed of light but this man proved 'Tachyon' moves faster.*

5. *The work "OK" was invented in 1893 when one Newspaper accidently written the "OK" instead of "OIl Korrect". At that time there was Mabit of people write wrong spelling and people were writing "OIl Correct" instead of "All Correct".*

6. *The "3 Golden Rules" from the Swami Vivekananda—*

   Who is helping you, Don't forget them.

   Who is loving you, Don't hate them.

   Who is believing you, Don't cheat them.

7. *The Alphabet 'O' stand for 'opportunity' which is Absent in Yesterday, present once in Today and present Thrice in Tommorrow.*

   So Never Lose Hope & Never Give Up.

"Give a girl an education and introduce her properly into the world, and ten to one but she has the means of settling well, without further expense to anybody." — Jane Austen

My First Love

Dear School,

Its been twelve years since we are in relationship. I remember the first day I met you. I was so little, afraid of every new thing but your company made me confident, like a best friend you always stood for me. You always remained in the sweet and sour part of my life. Playing in your widely stretched arms and learning under your shade gave me intense pleasure.

You gifted me with so many friends and loving teachers. And I don't know when and how our friendship turned into love.

You were the one who taught me so many things, you were the one who always cared for me and you are the reason whatever I am today and will be in coming years.

Sorry dear cuz I couldn't gift you anything special in return but yes, I'll try my level best to give you the best result you ever had got. I'll definitely make you feel proud of myself.

But, you know, its disheartening to say that we'll be together just for the coming ten months, after that everything will be over and I'll have to tell you goodbye.... I'll really miss you dear, really !!! Every moment spent with you are the most precious moment of my life.

This is the last message I wanted t o send you, I'm gonna miss you hard : Love you loads.

Your love,
Harshita Verma
Class-XII

A Medical Aspirant Says

Arko Mukherjee
Class-XII (SCI)

1. Toil and toil, through the rigourous books, Bang all doors to crack the toughest nuts, really fascinating, the prefix "Dr." looks, to clear NEET seems the only goal, with no ifs & buts.
2. Once we get through ; the whole world is turned upside down.
   The stethoscope & white coat really have the craze seems as if endorsed with a golden crown But we know that all fascination & dreams are really fast to erase.
3. Years will pass on, & heavy books will press on classes, words, exams, viva-voce will be without an end.
   All the fun and frollicle will seem to have gone life will become really tough to mend,
4. By the time we get Dr. before our name; Our friends in other fields will already be settled with a job.
   Seems as if we will be lost somewhere in the game; There will not be nothing in life, to rob.
5. Finally when we will cherish all our desires to become an MBBS, the MD, DM & so on...
   Life will already seem to be a race; with no dusk & dawn.
6. But still we wish to ply on this tough lane; & aspire to become doctors of great fame, There are really no gains without pain
   One day, our names people would proudly acclaim.

"Education is not the filling of a pail, but the lighting of a fire."

— W.B. Yeats

Mother ! A Deep Ocean of Love

Mrs. Judith Sen
T.G.T. (English)

My Mother is the joy of my heart,
She gave me immense pleasure from the very start.
She is like a brook overflowing with love and affection.
Always keep in mind to look after close relations.
She always allowed me to do what I pleased,
I very well know that she is a person to be praised.
I owe everything that I have to her,
I owe everything that I have to her,
She is more than a best friend.
I cannot forget her affection,
I alway get from her an inspiration.
Oh ! Mother how dear you are,
I pray to Almightly God for your peace anew
Mother Oh ! Mother of Mine.

"Education is the kindling of a flame, not the filling of a vessel."

— Socrates

Dated : 16th April 2018

Dear Sri Heera Lal,

I am extremely glad to know that like last year, this year also, Kendriya Vidyalaya, CMERI Durgapur is bringing out the school magazine. Such publication give ample opportunities to both students and teachers alike for writing constructive and creative articles also to show their talents in various other forms. It is an important platform through which they can express their imaginations and thought process. It helps the students to develop aesthetic sense and literary taste. Other than studies, the Vidyalaya should focus on co-curricular activities too to have an overall development of the students. Above everything the school should also impart lessons of cleanliness, health hygiene and to take active role for building a "Svachchh Bharat".

Schools always play a vital role in shaping the future of tomorrow's society and this is only possible when our teaching community realizes its duties, responsibilities and obligations. In the words of Tagore "Teacher can never truly unless he is still learning." A lamp can never light another lamp unless it continues to burn its own flame. So it is may humble request to all teachers to please inspire and motivate your students to become world famous in one or the other fields of their own interest.

Wish you all the very best to come,

Your sincerely,

(Dr. Ranjan Sen)
Nominee Chairman

"The educated differ from the uneducated as much as the living differ from the dead."
— Aristotle

Some common Chemical, its name and some chemical having special name

By Dr. Ajay Mukhopadhyaya

Rock Salt or Table Salt–NaCl

Caustic Soda–NaOH

Baking Soda–NaHCO3

Washing Soda–Na2CO3.10H2O

Baryta–Aqueous Solution of Ba(OH)2

Blue Vitriol–CuSO4.5H2O

White Vitriol–ZnSO4.7H2O

Chalk–CaCO3

Indian Salt Peter–KNO3

Chloride of lime–Bleaching power

Aqua fortis–HNO3

Philosopher's wool–ZnO

Fermy's Salt–KHF2

Graham's Salt Fused–Na3(P3O9)

Nobel's Oil Nitro–glycerine

Hydrozoic Acid–N3H

Water Gas Mix of CO &H2

Water Glass–Na2SiO3(Soluble Glass)

Flint Glas Potash lead glass (optical)

Rani nickel fine grains of a Ni–Al Alloy

King of Chemical HNO3

Mustered Gas–C4H8Cl2S

Laughing Gas N2O

Brine Solution–Aqueous solution of NaCl

Caustic Potash–KOH

Baking Power–Mixture of NaHCO3 and Tartaric acid

Muriatic Acid–HCl

Bleaching Power–CaOCl2 (Cotain Ca(OH)2 & Cl2)

Green Vitriol–FeSO4.7H2O

Wood's Metal Alloy of Cd, Sn, Pb & Bi

Chile Salt Peter–NaNO3

Cina Clay–Kaolin, Al2O3.2Si2.2H2O

Calcite–Crystalline CaCO3 (Nicol Prism are made,

Aqua regia mixture of HNO3+HCl(3:1)

Euchlorine Mix. of Cl2 & ClO2 gas

Erdmann's Salt–NH4[Co(NH3)2(NO2)4]

Nitrolim–NCaCN+C

Cyanogen–(CN)2 (Reminiscent of bitter almond)

Producer Gas Mix of CO & N2

Plxi Glass (C5O2H9)n Poly Methyl Mechacrylate

Pyrex glass Borosilicate (Hear Resistance)

Caro's Acid–H2SO4 per mono sulphuric acid

Sesque oxide oxide of the Formula M2O3 eg. Al2O3

Tear Gas–C10H5CIN2 2–chlorobenzalmalononitrile

Type Metal Alloy of Pb, Sb & Sn

"Anyone who stops learning is old, whether at twenty or eighty. Anyone who keeps learning stays young."
— Henry Ford

Education should be the preparation of life. He once said that "Education is not the amount of information that is put into your brain and runs riot there, undigested all your life.

- Swami Vivekananda

Sanskrit Section

वाणी वन्दना

मोहित सिंह सिंहार
कक्षा–नवम्

वीणनिनादिनी ते नमः अयि देवि ! ते सततं नमः
सततं नमः सततं नमः अयि देवि ! ते सततं नमः – (२)

हे पाप पुञ्जविनाशिनि । हे दिव्य भाव प्रकाशिनि !
हे मातरद्भुत शक्ति दे ! जगदम्बिके ! वरदायिनि ।
सुखनन्दिते ! सततं नमः अयि देवि ते सततं नमः –
सततं नमः सततं नमः ----------(२)

हे देवि ! वीणावादिनि ! मातः सरस्वति ! ज्ञान दे
कुरु विश्वमखिलं पावनं वीणां निनादय भारति !
विबुधार्चिते ! सततं नमः अयि देवि ! ते सततं नमः ।
सततं नमः सततं नमः ----------(२)
वीणनिनादिनी ते नमः ---------- (२)

चल रे बन्धो !

श्यामोली गोगोई
कक्षा–नवम्

चल रे बन्धो चल रे बन्धो
उद्याने भ्रमणीयम् ।
कुञ्जलतासु नवसुमवृन्दं
द्रक्ष्यामो रमणीयम् ।।
वर्णविचित्रः चित्रपतङ्ग
पुवणात् पुवणे याति
वानरयूथं लम्पति वृक्षे
मन्दसमीरो वाति
त्वरितं त्वरितं चल मम मित्रं
सरसि सुखं तरणीयम्
चल रे बन्धो ---------- (२)
शुकः कोकिलः काकः चटकः
गायन्ति कलं वृक्षे
शशकः हिरणः नकुलः मयुराः
द्रवन्ति तत्र समक्षे
गायं–गायं चल चल शीध्रं
तैः सार्धं द्रवणीयम् ।।
चल रे बन्धो ---------- (२)

संस्कृतम्

रोहित कुमार साहुः
कक्षा–नवम्

कालिदासो जने जने कण्ठे कण्ठे संस्कृतम् ।
ग्रामे ग्रामे नगरे नगरे गेहे गेहे संस्कृतम् ।।
सरला भाषा मधुराभाषा दिव्य भाषा संस्कृतम् ।
मुनिजनवाणी कविजनवाणी प्रियजनवाणी संस्कृतम् ।।
वसतौ वसतौ रामचरितं प्रियजनभाषा संस्कृतम् ।
स्थाने–स्थाने भारतदेशे सदने सदने संस्कृतम् ।।
मुनिजनवाञ्छा कविजनवाञ्छा प्रियजनवाञ्छा संस्कृतम् ।
वदने वदने कार्यक्षेत्रे वार्तालापे संस्कृतम् ।।

''आत्मापराधवृक्षस्य फलान्येतानि देहितम् ।
दारिद्रयरोग दुःखानि बन्धनव्यसनानि च ।।''

– **चाणक्य**

संस्कृत श्लोकाः

डॉ. जी. मोदी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

(१) एकमेवाक्षरं यस्तु गुरु शिष्यं प्रवोधयेत।
पृथिव्यां नास्ति तदुद्रव्यं यदूदत्वाचानृणी भवेन।। १।।
अर्थ : एक अक्षर का भी उपदेश यदि गुरु शिष्य को देता हैं तो पृथ्वी पर ऐसा कोई द्रव्य नही हौ जिसे देकर शिष्य उऋण हो सकता है।

(२) धर्मार्थकाममोक्षाणां यस्यैकोऽपिन विद्यते।
अजागलल्तनस्येव तस्य जन्म निरर्थकम्।। २।।
अर्थ : जिसके पास धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इनमें से एक भी नहीं हो उसका जन्म बकरी के गले के स्तन के समान बेकार हे।

(३) एकाक्षरं प्रदातारं यो गुरु नाभिवन्दते।
श्वान योनि शतं भुक्त्वा चांडालेष्वभिजायते।। ३।।
अर्थ : जो मनुष्य एक अक्षर देनेवाले को गुरु नहीं मानता वह सौ बार कुत्ते की योनी भोगकर चाण्डालों में जन्म लेता है।

(४) राशि घर्मिणि धमिष्ठाः पापे पापाः समे समाः।
राजानमनुवर्तन्ते यथा राजा तथा प्रजाः।। ४।।
अर्थ : राजा यदि धर्मात्मा हो तो प्रजा भी धर्मात्मा, पापी हो तो पापी, सम दोनो सम होती है। अर्थात् प्रजा हर तरह से राजा का अनुशरन् करती है। जैसा राजा होता है वैसा ही प्रजा होती है।

(५) गतं शोको न कर्तव्यो भविष्यं नैव चिन्तयेत्।
वर्तमानेन कालेन प्रवर्तन्ते विचक्षणः।। ५।।
अर्थ : गई बात का सोच नहीं करना चाहिए और भावी की चिन्ता समझदार लोग नहीं करते है, किन्तु वर्तमान समय में होने वाली बात की ही विचार विचारवान लोग किया करते है।

(६) जलविन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
सः हेतु सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च।। ६।।
अर्थ : जिस प्रकार धीरे-धीरे जल की बुदें गिरने से घटा भर जाता है उसी प्रकार विद्या धर्म और धन का भी संग्रह होता है। इसमें जल्दी नहीं करना चाहिए।

(७) सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया सखा।
शांति पत्नी क्षमा पुत्रः पडेते मम बान्धवाः।। ७।।
अर्थ : सच्चाई मेरी माता और ज्ञान मेरा पिता है। धर्म मेरा भाई और दया मेरा मित्र है। शांति मेरी स्त्री और क्षमा मेरा पुत्र है। यही छह मेरे परिवार है।

(८) कामं क्रोधं तथा लोभं श्वाद श्रृंगार कौतुकम्।
अति निद्राति सेवा च विद्यार्थी ह्याष्ट वर्जयेत।। ८।।
अर्थ : विद्यार्थियों को काम, क्रोध, लोभ, स्वादिष्ट चीजें श्रृंगार, अधिक खेल, अधिक सोना और अति सेवा इन आठ चीजों को छेड़ देना चाहिए।

''यद्यदाचरति श्रेष्ठस्वत्तदेवेतरो जनः। सः यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।'' – **भगवद गीता**

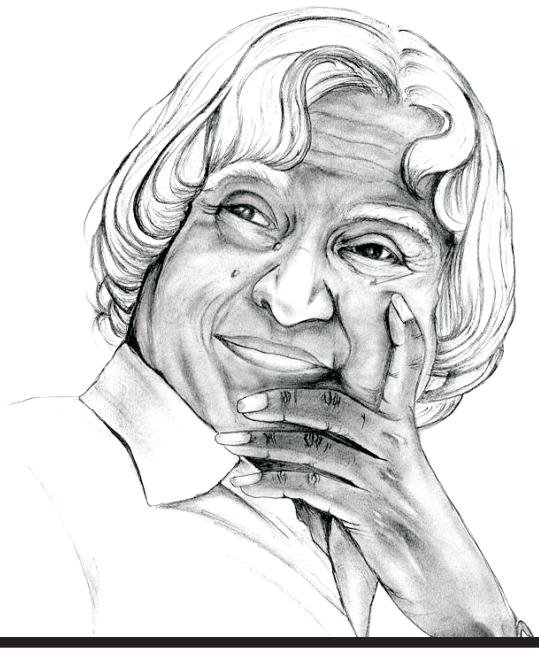

"Don't take rest after your first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say that your first victory was just luck."

- APJ ABDUL KALAM

Children's Day Celebration

Christmas Day Celebration

Grand Parent's Day

Cluster Level CMP Cultural Meet

House Board Decoration

Independence Day Celebration

Swachata Pakhwara

ABHIJNA JAGADEV SINGH, VII

ABIR MALLICK, VI

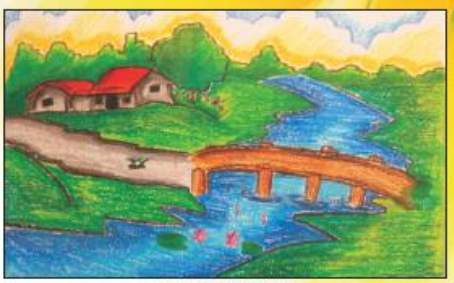

ANUSHKA, VIII

DURGESH, PANDIT VI

JHARNA, GOGOI X

JIA ROY, X

KIRAN CHOUDHARY, IV

MD. FARHAN ALI, IX

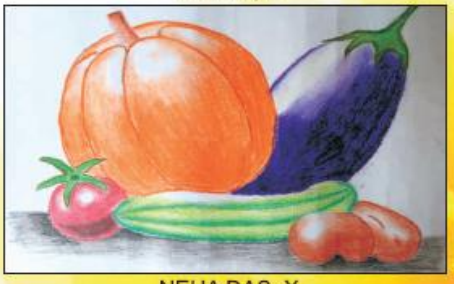

NEHA DAS, X

NIRMAN MAJUMDER, VI

SANDIPAN PAUL, VII

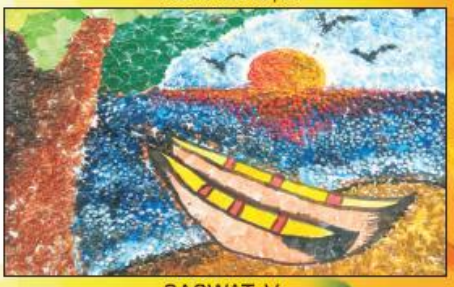

SASWAT, V

SAYANTI KUNDU, VII

SHRESTHA GHOSH, IX

SREEJA CHOUDHURY, VII

SUBHADEEP MONDAL, II

SUSHMA LAYEK, VI

SWASTEEK SINGHA ROY, VII

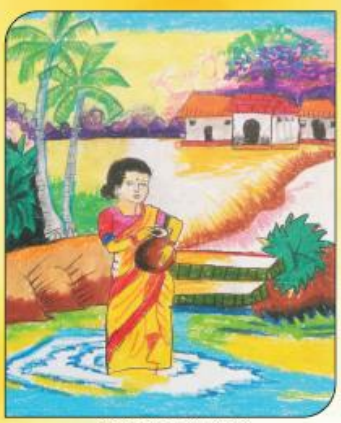

ANKITA DUTTA, V

ANUSKA CHAKRABORTY, IX

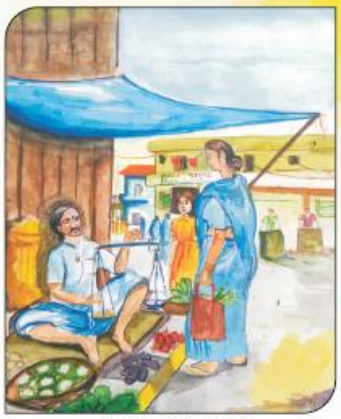

ARIJIT DUTTA, IX

DEEPTENDU PRADHAN, V

DHIMAN, V

DIPTI LOHAR, X

HARSHITA VERMA, XII-HUM

TITLI HEMBRAM, VII

JYOTI MISHRA, IX

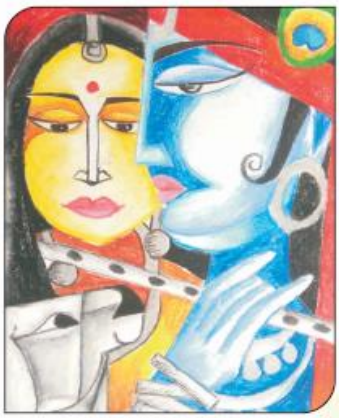

MANISHA MONDAL, X

PRIYA SINGH, XII-SC.

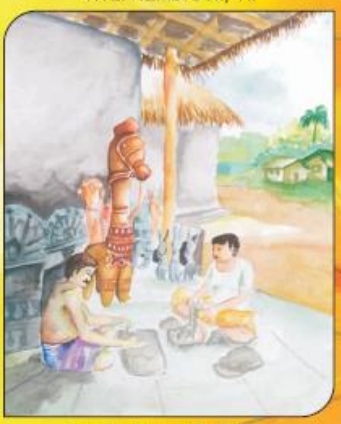

SAMPURNA MONDAL, X

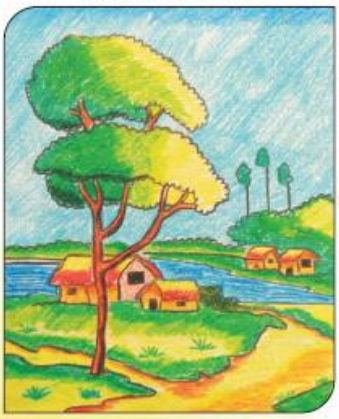

SANCHARI GHOSH, V

SEENI PRASAD, V

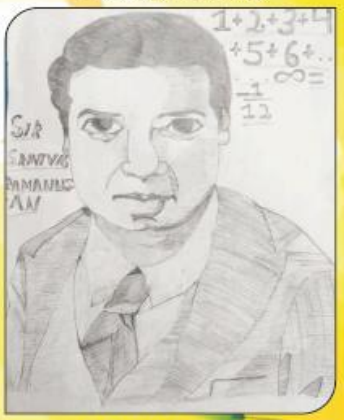

SUBHAM GHOSH, IX

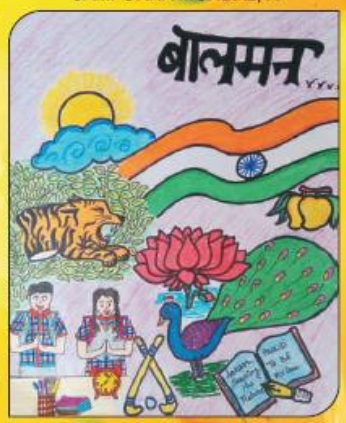

TAYYABA AZRA, XII-HUM